
FULL STOP - 24

अव्यक्त बापदादा :-

» _ » मुरली तो सुनी, अब सुनने के बाद स्वरूप में लाना। एक होता है स्मृति में लाना और दूसरा हैं स्वरूप में लाना। जो कुछ सुनते हैं, स्मृति में तो सब लाते हैं । अज्ञानी भी सुने हुए को याद करते हैं लेकिन ज्ञान का अर्थ ही है - स्वरूप में लाना। तो कौन सी बात स्वरूप में लायेंगे। ‘बालक सो मालिक’, यह है स्वरूप में लाना।

» _ » पुरुषार्थ के साथ-साथ प्रालब्ध का अनुभव हो। ऐसे नहीं अभी तो पुरुषार्थी हैं, प्रालब्ध भविष्य में मिलेगी। संगमयुग की विशेषता ही है - अभी-अभी पुरुषार्थ अभी-अभी प्रत्यक्ष फल। अभी स्मृति स्वरूप अभी अभी प्राप्ति का अनुभव। भविष्य की गारन्टी तो है लेकिन भविष्य से भी श्रेष्ठ भाग्य अब का है। अभी का वर्सा तो प्राप्त है ना? पा लिया है या पाना है?

» _ » अगर पा लिया है तो फिर फरियाद तो नहीं करते हो अमृत बेले? या तो है याद या है फरियाद। जहाँ याद है वहाँ फरियाद नहीं, जहाँ फरियाद है वहाँ याद नहीं। तो फरियाद समाप्त हुई? क्वेश्चन मार्क खत्म? फरियाद में होता है क्वेश्चन मार्क और याद में फुलस्टाप अर्थात् बिन्दी। बिन्दी स्वरूप बन बिन्दी को याद करना है। बाप भी बिन्दी आप भी बिन्दी।

» _ » तो परिवर्तन भूमि में आकर कोई न कोई विशेष परिवर्तन जरूर करना चाहिए। अब फरीयाद को छोड़कर स्वतः योगी बनकर जाना। फिर याद में उलझन होती है, खुश नहीं। तो बाप से खुशी का खजाना लेना है, उलझन नहीं। उलझन तो लौकिक बाप का खजाना था, अब वह तो खत्म हो गया। लौकिक सम्बन्ध खत्म तो फरियाद भी | खत्म। (09.03.1981)

➤➤ ब्राह्मण अक्सर किन किन बातों की फ़रियाद / Complaints करते हैं ?

» _ » स्वयं के बारे में

→ ज्ञान

■ हमारा चिंतन नहीं चलता

→ योग

■ योग में मन भटकता है

→ धारणा

■ धारणाएं कठिन लगती हैं

→ सेवा

■ सेवा थकने वाली

» _ » दूसरों के प्रति

→ Senior

- पक्षपात नहीं करते
- तारीफ़ नहीं करते
- गलतियां निकलते हैं

→ साथी

- सहयोग नहीं देते

→ Junior

- जल्दी से सीखते नहीं हैं

➡ ➡ ➡ भाग्य (ड्रामा) के प्रति

→ मेरा नसीब ही ऐसा है

➡ ➡ ➡ परिस्थितियों के प्रति

➡ ➡ ➡ भगवान के प्रति

→ बाबा मदद नहीं करता

➡ ➡ ➡ समय के प्रति

→ समय ही खराब चल रहा है

➡ ➡ ➡ स्थान के प्रति

→ जगह में ही दोष है

➡ ➡ ➡ प्रकृति के प्रति

➡ ➡ ➡ माया के प्रति

→ विकार छोड़ते ही नहीं

➡ ➡ ➡ वस्तुओं / साधनों के प्रति

➤➤ Complaints समाप्त करने के लिए क्या करें ?

➡ ➡ ➡ हर परिस्थिति हमें बहुत कुछ सीखाने आती है

→ Take Every Obstacle As An Opportunity

➡ ➡ ➡ Accept Your Responsibility

➡ ➡ ➡ Acceptance

→ जिन बातों को आप बदल नहीं सकते, उन्हें स्वीकार कीजिये

➡ ➡ ➡ Be Less Judgemental

→ हर बात में दूसरों को जज नहीं करें

➡ ➡ ➡ Gratitude

→ कृतज्ञता का भाव रखें

→ धन्यवाद दीजिये

⇒ _ ⇒ ज्ञान का चिंतन

→ संतुष्टता का भाव बढ़ाइये

→ Mind को Complaint Box मत बनाइये

⇒ _ ⇒ Be The Change You Want To Change
